कला शिक्षा

प्रश्न स्नातक स्तर पर अवधारणाओं की समझ और अनुप्रयोग की गहराई का परीक्षण करेंगे।

ड्राइंग और पेंटिंग

भारतीय कला का इतिहास

I. सिंधु घाटी की कला (हड़प्पा और मोहनजोदड़ो) (2500 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व)

(1) परिचय

(i) अवधि और स्थान

(ii) विस्तार: लगभग 1500 मील में

(a) हड़प्पा और मोहनजोदड़ो (अब पाकिस्तान में)

(b) रोपड़, लोथल, रंगपुर, आलमगीरपुर, काली बंगाण, बनावली और धौला वीरा (भारत में)

(2) निम्नलिखित मूर्तियों और टेराकोटा का अध्ययन:

(i) नृत्य करती लड़की (मोहनजोदड़ो)

कांस्य, 10.5 x 5 x 2.5 सेमी.

लगभग 2500 ईसा पूर्व

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली)।

(ii) पुरुष धड़ (हड़प्पा)

पत्थर, 9.2 x 5.8 x 3 सेमी.

लगभग 2500 ई.पू.

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली)।

(iii) मातृ देवी (मोहनजोदड़ो)

टेराकोटा, 22 x 8 x 5 सेमी.

लगभग 2500 ई.पू.

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली).

(3) निम्नलिखित मुहरों का अध्ययन:

(i) बैल (मोहनजोदड़ो)

पत्थर, 2.5 x 2.5 x 1.4 सेमी.

लगभग 2500 ई.पू.

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली).

(4) मिट्टी के बर्तनों पर निम्नलिखित सजावट का अध्ययन:

(i) चित्रित मिट्टी के बर्तन (जार)मोहनजोदड़ो)

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली).

II. बौद्ध, जैन और हिंदू कला.

(तीसरी शताब्दी ई.पू. से आठवीं शताब्दी ई.पू. तक)

(1) मौर्य, शुंग, कुषाण और गुप्त काल के दौरान कला का सामान्य परिचय:

(2) निम्नलिखित

मूर्तियों का अध्ययन:

(i) सारनाथ से सिंह शीर्ष (मौर्य काल)

पॉलिश किया हुआ बलुआ पत्थर,

लगभग तीसरी शताब्दी ई.पू.

(संग्रह: सारनाथ संग्रहालय, उत्तर प्रदेश)

(ii) दीदार गंज (मौर्य काल) से चौरी वाहक

पॉलिश किया हुआ रेत-पत्थर

लगभग तीसरी शताब्दी ई.पू.

(संग्रह: पटना संग्रहालय, बिहार)

(iii) तक्षशिला (गांधार काल) से बोधिसत्व का सिर

पत्थर, 27.5 x 20 x 15 सेमी.

लगभग दूसरी शताब्दी ई.

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली)

(iv) कटरा टीला से बैठे हुए बुद्ध

मथुरा - (कुषाण काल)

(संग्रह: मथुरा संग्रहालय)

(v) सारनाथ से बैठे हुए बुद्ध (गुप्त काल)

पत्थर लगभग 5वीं शताब्दी ई.

(संग्रह: सारनाथ संग्रहालय, उत्तर प्रदेश)

(vi) जैन तीर्थंकर (गुप्त काल)

पत्थर लगभग 5वीं शताब्दी ई.

(संग्रह: राज्य संग्रहालय, लखनऊ उत्तर प्रदेश)

(3) अजंता का परिचय

स्थान, काल, गुफाओं की संख्या, चैत्य और विहार, चित्रकला और मूर्तिकला विषय वस्तु और तकनीक आदि

(4) निम्नलिखित चित्रकला और मूर्तिकला का अध्ययन:

(i) पद्मपाणि बोधिसत्व (अजंता गुफा सं. I) भित्ति चित्र

लगभग 5वीं शताब्दी ई.

(ii) मारा विजय (अजंता गुफा सं. 26) पत्थर में मूर्तिकला

लगभग 5वीं शताब्दी ई.

III. मंदिर मूर्तिकला, कांस्य और इंडो-इस्लामिक वास्तुकला

भारतीय मंदिरों के कलात्मक पहलू

(6वीं शताब्दी ई. से 13वीं शताब्दी ई. तक)

(1) मंदिर मूर्तिकला का परिचय

(6वीं शताब्दी ई. से 13वीं शताब्दी ई. तक)

(2) निम्नलिखित मंदिर-मूर्तिकला का अध्ययन; (i) गंगा का अवतरण (पल्लव काल, महाबलीपुरम तमिलनाडु), पत्थर लगभग 7वीं शताब्दी ई.

(ii) रावण द्वारा कैलाश पर्वत को हिलाना (राष्ट्रकूट काल, एलोरा,

(iii) त्रिमूर्ति (एलिफेंटा, महाराष्ट्र)

पत्थर लगभग 9वीं शताब्दी ई.

(iv) लक्ष्मी नारायण (कंदरिया महादेव मंदिर) (चंदेल काल, खजुराहो, म.प्र.)

लगभग 10वीं शताब्दी ई.पू.

(V) झांझ वादक सूर्य मंदिर (गंगा राजवंश, कोणार्क, उड़ीसा)

लगभग 13वीं शताब्दी ई.

(vi) माँ और बच्चा (विम ला-शाह मंदिर, सोलंकी राजवंश, दिलवाड़ा, माउंटआबू, राजस्थान) सफेद संगमरमर।

लगभग 13वीं शताब्दी ई.

(3) कांस्य

(i) भारतीय कांस्य से परिचय

(ii) ढलाई की विधि (ठोस और खोखली)

(4) निम्नलिखित दक्षिण भारतीय कांस्य का अध्ययन:

(i) नटराज (तंजावुर जिला, तमिलनाडु)

चोल काल (12वीं शताब्दी ई.)

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली)

(ii) देवी (उमा)

चोल काल (12वीं शताब्दी ई.)

(संग्रह: राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली)

(5) इंडो-इस्लामिक वास्तुकला के कलात्मक पहलू

(i) परिचय

(6) निम्नलिखित वास्तुकला का अध्ययन:

(i) कुतुब मीनार, दिल्ली

(ii) ताजमहल, आगरा

(iii) बीजापुर का गोल गुम्बज

IV. लघु चित्रकला की राजस्थानी और पहाड़ी शैलियाँ (16वीं शताब्दी ई. से 19वीं शताब्दी ई. तक)

भारतीय लघु चित्रकला शैलियों का परिचय: पश्चिमी-भारतीय, पाल, राजस्थानी, मुगल, मध्य भारत, दक्कन और पहाड़ी।

(ए) राजस्थान; शैलियाँ

(1) उत्पत्ति और विकास

(2) शैलियाँ-मेवाड़, बूंदी, जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़ और जयपुर

(3) राजस्थानी और पहाड़ी शैलियों की मुख्य विशेषताएँ।

(4) निम्नलिखित राजस्थानी चित्रकलाओं का अध्ययन:

Title	Painter	School
Maru-Ragini	Sahibdin	Mewar
Raja Ajniruddha Singh Heera	Utkal Ram	Bundi
Chaugan Players	Dana	Jodhpur
Krishna on swing	Nuruddin	Bikaner
Radha (Bani – Thani)	Nihal Chand	Kishangarh
Bharat meets Rama at Chitrakut	Guman	Jaipur

(बी) पहाड़ी स्कूल:

(1) उत्पत्ति और विकास

(2) स्कूल-बसोहली और कांगड़ा

(3) पहाड़ी स्कूल की मुख्य विशेषताएं

(4) निम्नलिखित पहाड़ी चित्रकला का अध्ययन

Title	Painter	School
Krishna with Gopies		Basohli
Raga Megha		Kangra

V. लघु चित्रकला के मुगल और दक्कन स्कूल (16वीं शताब्दी ई. से 19वीं शताब्दी ई. तक)

(A) मुगल स्कूल

(1) उत्पत्ति और विकास

(2) मुगल स्कूल की मुख्य विशेषताएँ

(3) निम्नलिखित मुगल चित्रकलाओं का अध्ययन

Title	Painter	School
Krishna lifting mount	Goverdhan	Miskin Akbar
Babur crossing the river sone	Jaganath	Akbar
Jahangir holding the picture of Madona	Abul Hassan	Jahangir
Falcon on a bird nest	Ustad Mansoor	Jahangir
Kabir and Raidas	Ustad Faquirullah Khan	Shahjahan
Marriage procession of Dara Shikoh	Haji Madni	Provincial Mughal(Oudh)

(बी) दक्कन स्कूल

(1) उत्पत्ति और विकास

(2) दक्कन स्कूल की मुख्य विशेषताएँ

(3) निम्नलिखित दक्कन चित्रकलाओं का अध्ययन

Title	Painter	School
Raga Hindola		Ahmednagar
Chand Bibi Playing Polo(Chaugan)		Gol Konda

VI. बंगाल स्कूल और भारतीय कला में आधुनिक रुझान

(A) (1) A. भारतीय कला में नया युग- एक परिचय

B. निम्नलिखित पेंटिंग का अध्ययन

(i) राम ने समुद्र के गर्व को जीत लिया- राजा रवि वर्मा

(2) भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का विकास (पहला - 1906, मध्य - 1921 और अंतिम 1947 चरण): रूप और रंग योजना का अध्ययन

(B) (1) बंगाल स्कूल ऑफ पेंटिंग का परिचय

(i) बंगाल स्कूल की उत्पत्ति और विकास

(ii) बंगाल स्कूल की मुख्य विशेषताएँ

(2) राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष में भारतीय कलाकारों का योगदान

(3) बंगाल स्कूल की निम्नलिखित पेंटिंग्स का अध्ययन

(i) यात्रा का अंत रवींद्रनाथ टैगोर

(ii) पार्थसारथी नंदलाल बोस

(iii) राधिका एम.ए.आर. चुगताई

(सी) भारतीय कला में आधुनिक रुझान परिचय

(1) निम्नलिखित पेंटिंग्स का अध्ययन:

(i) जादूगर-गगनेंद्रनाथ टैगोर

(ii) माँ और बच्चा-जामिनी रॉय

(iii) महिला चेहरा-रवींद्रनाथ टैगोर

(iv) ट्री गर्ल्स-अमृता शेरगिल

(2) मूर्तिकला के निम्नलिखित टुकड़ों का अध्ययन:

(i) श्रम की विजय- डी.पी. रॉयचौधरी

(ii) संथाल परिवार-रामकिंकर वैज

(3) समकालीन भारतीय कला के निम्नलिखित कार्यों का अध्ययन

ए. पेंटिंग्स

(i) मदर टेरेसा-एम.एफ. हुसैन।

(ii) कविता का जन्म- के.के. हेब्बर

(iii) गपशप- एन.एस. बेंद्रे

(iv) विकर्ण- तैयब मेहता

बी. ग्राफिक प्रिंट

(i) व्हर्ल पूल-कृष्ण रेड्डी

(ii) बच्चे-सोमनाथ होरे

(iii) देवी-ज्योति भट्ट

(iv) दीवारों का-अनुपम सूद

(v) आदमी, औरत और पेड़ के. लक्ष्मण गौड़

सी. मूर्तियां

(i) खड़ी औरत-धनराज भगत

(ii) अनसुनी चीखें-अमर नाथ सहगल

(iii) गणेश-पी.वी. जानकीराम

(iv) आकृति-संखो चौधरी

(v) चतुर्मुखी-ऐक्का यदा गिरी राव

नोट: ऊपर सूचीबद्ध कलाकारों और उनकी कलाकृति के नाम केवल सांकेतिक हैं और किसी भी तरह से संपूर्ण नहीं हैं।